भारत - मालदोवा संबंध

राजनीतिक संबंध : भारत ने 28 दिसंबर 1991 को मालदोवा को मान्यता प्रदान की तथा 20 मार्च 1992 को राजनयिक संबंध स्थापित किए गए। भारत और मालदोवा के बीच संबंध मधुर, स्थिर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। संयुक्त राष्ट्र सहित बहुपक्षीय मंचों में आपसी हित के विषयों पर भारत के साथ मालदोवा अच्छी तरह सहयोग करता है जहां दोनों देशों ने पारस्परिक सहायता तंत्र के माध्यम से एक दूसरे की उम्मीदवारी के लिए सहायता का आदान प्रदान किया है। आम तौर पर मालदोवा बाकू, अजरबैजान स्थित अपने राजदूत को समवर्ती रूप से भारत की भी जिम्मेदारी सौंपता है, जबकि रोमानिया स्थित भारतीय मिशन को समवर्ती रूप से मालदोवा की भी जिम्मेदारी सौंपी जाती है। 2011 से नई दिल्ली में मालदोवा का एक मानद कोंसुल है। भारत ने मालदोवा में बाढ़ को देखते हुए 2011 में राहत सहायता प्रदान की थी।

एम ओ एस (पी के) श्रीमती प्रनीत कौर ने 22 से 25 सितंबर 2013 के दौरान मालदोवा का एक आधिकारिक दौरा किया जो 20 साल के अंतराल के बाद भारत की ओर से पहली उच्च स्तरीय यात्रा थी। इस यात्रा के दौरान एम ओ एस (पी के) ने मालदोवा के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से मुलाकात की तथा दोनों पक्षों ने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और विदेश मंत्री के स्तर पर यात्राओं की संभावना के साथ द्विपक्षीय आदान प्रदान के स्तर को बढ़ाने एवं अपग्रेड करने की गहरी इच्छा व्यक्त की।

इससे पहले मार्च 1993 में मालदोवा के राष्ट्रपति महामहिम श्री मिर्सिया स्नेगुर ने भारत का राजकीय दौरा किया था। उनकी यात्रा के दौरान सहयोग के सिद्धांतों एवं दिशाओं पर एक घोषणा तथा निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग के लिए करारों पर हस्ताक्षर किए गए (i) शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति, कला, मास मीडिया, खेल, पर्यटन (ii) विदेश मंत्रालय तथा मालदोवा के विदेश मंत्रालय के बीच परामर्श के लिए प्रोटोकाल (iii) व्यापार एवं आर्थिक संबंधों पर करार (iv) आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग पर करार (v) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर करार।

पहले भारत - मालदोवा विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन जनवरी 2003 में चिसिनाउ में हुआ। 2012 में विदेश कार्यालय परामर्श के आयोजन का प्रस्ताव था परंतु यह साकार नहीं हो पाया। राजनयिक तथा आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की आवश्यकता से छूट पर करार तथा नागर विमानन पर करार विचाराधीन हैं।

वाणिज्यिक संबंध :

भारत - मालदोवा द्विपक्षीय व्यापार वस्तुत : साधारण है तथा 10 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास है। 2014-15 में कुल द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 10.22 मिलियन अमरीकी डालर था (भारतीय निर्यात का मूल्य 8.79 मिलियन अमरीकी डालर तथा मालदोवा से आयात का मूल्य 1.43 मिलियन अमरीकी डालर था)। 2013-14 के दौरान मालदोवा के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 10.99 मिलियन अमरीकी डालर था (भारत के निर्यात का मूल्य 10.47 मिलियन अमरीकी

डालर तथा आयात का मूल्य 0.52 मिलियन अमरीकी डालर था), जबकि 2012-13 में द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 9.63 मिलियन अमरीकी डालर था (निर्यात का मूल्य 8.94 मिलियन अमरीकी डालर तथा आयात का मूल्य 0.69 मिलियन अमरीकी डालर था)। यह रुझान वर्तमान वित्त वर्ष में भी जारी है तथा आज तक अप्रैल से दिसंबर 2015 की अवधि के लिए कुल द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 10.9 मिलियन अमरीकी डालर है।

मालदोवा को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से फार्मा उत्पाद, जैविक रसायन, मांस, खाद्य फल एवं गिरी, मसाले, चाय, कॉफी, अनाज, तिलहन, चीनी एवं कनफेक्शनरी, नमक, सल्फर, पत्थर, टेक्सटाइल एवं गार्मेंट, विद्युत मशीनरी एवं उपकरण, फुटवियर, सीमेंट आदि शामिल हैं। मालदोवा से भारत द्वारा जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से प्लास्टिक एवं प्लास्टिक से बनी वस्तुएं, ऊन एवं ऊनी कपड़े, लोहा, इस्पात, कॉपर, एल्युमिनियम, इलेक्ट्रानिक मशीनरी, ऑप्टिक सामग्री आदि शामिल हैं।

माल्दोवा में लगभग 85 भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनियां प्रचालन और व्यापार का काम कर रही हैं तथा 2014-15 में लगभग 4 मिलियन अमरीकी डालर के मूल्य पर मालदोवा द्वारा दवा आयात की दृष्टि से वे 10वें स्थान पर थीं। मालदोवा को आयात की गई भारतीय दवाओं का मूल्य 6.5 मिलियन अमरीकी डालर से घटकर 4 मिलियन अमरीकी डालर हो गया है।

आई टी तथा परंपरागत दवाओं में भारतीय अनुभव ने मालदोवा का ध्यान आकृष्ट किया है जो भारतीय निवेश प्राप्त करने के लिए लालायित है। मालदोवा ने फार्मास्युटिकल के क्षेत्र में भारतीय निवेशकों के लिए मालदोवा के राजकीय चिकित्सा विश्वविद्यालय की सुविधाओं का प्रयोग करने की भी पेशकश की है। व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी संभावनाएं हैं जिनका अभी तक दोहन नहीं हुआ है और अन्वेषण नहीं हुआ है। मालदोवा सब्जियों और फलों का प्रचुर मात्रा में उत्पादन करता है तथा इसे यूरोप के फ्रूट बास्केट के रूप में माना जाता है। मालदोवा भारत को कृषि उत्पादों का अपना निर्यात बढ़ाने का इच्छुक है जिसमें शराब का निर्यात भी शामिल है। मालदोवा द्वारा प्रस्तावित पादप संगरोध पर एक प्रारूप करार भारत में विचाराधीन है। हस्ताक्षरित हो जाने पर यह करार भारत में मालदोवा के कृषि उत्पादों के निर्यात को सुगम बनाएगा। आई टी तथा फार्मा एवं चिकित्सा डिवाइसों के अलावा कृषि एवं औद्योगिक मशीनरी तथा मशीन टूल्स ऐसे क्षेत्र हैं जो द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने की संभावना प्रदान करते हैं।

भारत से 17 सदस्यों के एक फार्मेक्सिल शिष्टमंडल ने 5 से 8 दिसंबर 2012 के दौरान मालदोवा का दौरा किया था तथा मालदोवा के ड्रग एजेंसी स्टाफ से मुलाकात की और एक क्रेता - विक्रेता बैठक का भी आयोजन किया था। एम ओ एस (पी के) ने सितंबर 2013 में मालदोवा का दौरा किया तथा स्वास्थ्य मंत्री, मालदोवा के वाणिज्य चैंबर के अध्यक्ष के साथ बैठकें की। सरकार के महासचिव श्री विक्टर बोडियू के नेतृत्व में मालदोवा के एक शिष्टमंडल ने 1 से 3 अगस्त 2011 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित ई वर्ल्ड फोरम 2011 में भाग लिया था। श्री बोडियू ने माननीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री सचिन पायलट से मुलाकात की थी। मालदोवा से एक आधिकारिक

शिष्टमंडल ने अहमदाबाद में फार्मेक्सिल की रीवर्स क्रेता - विक्रेता बैठक में भाग लिया था तथा औषधि विनियामक एजेंसी की बैठक जनवरी 2015 में हैदराबाद में हुई थी।

सांस्कृतिक संबंध

मालदोवा के लोगों में भारत की संस्कृति, नृत्य और फिल्म में गहरी रुचि है। मालदोवा के राष्ट्र कवि मिहाई एमिनेसकू (1850-1889) की प्राचीन भारतीय भाषाओं तथा भारत के साहित्य में गहरी रुचि थी तथा उन्होंने फ्रांज बोप के संस्कृति व्याकरण एवं ग्लोसारियम संस्क्रीटोरियम का अनुवाद मालदोवन (रोमानियन) भाषा में किया था। एमिनेसकू का भारतीय दर्शन के प्रति अनुराग उनकी कृतियों में प्रतिबिंबित हुआ है। भारतीय नृत्यों के प्रति गहरा लगाव है तथा मालदोवा में ऐसे स्थानीय नागरिकों के समूह हैं जो भारत की संस्कृति का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। इसके अलावा मालदोवा के नागरिक योग, अध्यात्म तथा भारतीय भाषाओं, नृत्यों आदि के अध्ययन के लिए भारत के दौरे पर आते हैं। स्थानीय टी वी चैनल समय समय पर भारतीय मूवी एवं कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। आई सी सी आर तथा आई टी ई सी छात्रवृत्तियां प्राप्त करने के लिए मालदोवा के छात्रों में गहरी रुचि है। मालदोवा के नागरिकों ने 1995 में शुरुआत के समय से ही बहुत कारगर ढंग से आई टी ई सी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का उपयोग किया है। मालदोवा के राजनयिकों ने विदेश सेवा संस्थान द्वारा आयोजित पी सी एफ डी पाठ्यक्रमों में गहरी रुचि का प्रदर्शन किया है तथा मालदोवा से हर साल राजनयिक इस पाठ्यक्रम में भाग ले रहे हैं। मालदोवा से भारत आने वाले आगंतुकों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है।

भारतीय समुदाय

मालदोवा में भारतीय समुदाय की संख्या 100 से भी कम है। उन्होंने 2004 में एक सांस्कृतिक संघ का गठन किया था। अधिकांश भारतीय नागरिक फार्मास्युटिकल क्षेत्र से जुड़े हैं तथा भारतीय दवाओं का आयात करके बिक्री करते हैं तथा मालदोवा के राजकीय चिकित्सा विश्वविद्यालय में भी कुछ भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। कुछ भारतीय प्रोफेशनल बहुराष्ट्रीय कंपनियों एवं बैंकों में काम कर रहे हैं। कुछ भारतीय नागरिकों ने मालदोवा के नागरिकों से शादी कर ली है तथा स्थायी निवासी का दर्जा प्राप्त कर लिया है।

उपयोगी संसाधन **:**

भारतीय दूतावास, बुकारेस्ट की वेबसाइट :
http://eoiromania.in/

***

फरवरी**, 2016**